:Ik & i= 4

—————————————— को अन्त होने वाली तिमाही / मास के लिए विक्रय – धन / क्रय–धन का विवरण पत्र

1– व्यापारी का नाम——————————————————————————————

2– रजिस्ट्रीकरण प्रमाण–पत्र संख्या———————————————————————

3– विवरण–पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति का नाम और प्रास्थिति (स्वामी, साझीदार, संचालक आदि)

————————————————————————————————————

4– उत्तरांचल में व्यापार का मुख्य स्थान————————————————————

5– उत्तरांचल में शाखायें –

(1) ————————————————

(2) ————————————————

(3) ————————————————

(4) ————————————————

6– व्यापार के मुख्य स्थान और शाखाओं में बेचे जाने वाले माल का वर्ग–

(1) ————————————————

(2) ————————————————

(3) ————————————————

(4) ————————————————

7– बिक्रियां धारा 3–ककककक या धारा–3 ख या धारा 3–घ (1) के अधीन कर योग्य माल का क्रय

(क) कुल विक्रय–धन रु0————————————रु0————————————

(ख) कर मुक्त विक्रय–धन रु0——————————रु0————————————

(ग) कर योग्य विक्रय–धन रु0—————————— रु0————————————

(वस्तुवार)

(ब्योरे अनुलग्नक 1 और 2 में दिये गये हैं)

8– देय कर (अलुलग्नक 1 और 2 के ब्योरे के अनुसार) रु0 ————————————————

9– ग्राहकों से वसूल किये गये कर की कुल धनराशि रु0 ————————————————

10– कोषागार में जमा किया गया / चेक या बैंक ड्राफ्ट द्वारा भुगतान किया गया/पुस्तक–क्रम द्वारा भुगतान किया गया कर ——————————————————————————————

धनराशि—————————— रु0————————————

चालान/चेक/बैंक ड्राफ्ट संख्या——————————

दिनॉक

?kk"k.kk

मैं-------------------------------जो-----------------------------------नामक व्यापार का -------------------------------(प्रास्थिति जैसे स्वामी, साझीदार, संचालक आदि) हूँ, एतद्द्वारा घोषित और सत्यापित करता हूँ कि जहां तक मेरी जानकारी और विश्वास है, इस विवरण-पत्र में दिये गये समस्त विवरण और अंक सत्य और पूर्ण हैं और कोई भी बात न तो जान-बूझ कर छिपाई गई है और न गलत लिखी गई है।

हस्ताक्षर ----------------------------

प्रास्थिति ----------------------------

टिप्पणीः- (1) विभिन्न स्तम्भों में विक्रय-धन के अंकों का निकटतम रुपये में पूर्णांक किया जायेगा।

(2) अनुलग्नक 1 और 2 के स्तम्भ 2 को नियम 41 (1) में निर्दिष्ट व्यापारियों से भिन्न व्यापारियों द्वारा भरे जाने की आवश्यकता नहीं है।

व्यापारी का नाम——————————————————————————उत्तरांचल रजिस्ट्रेशन प्रमाण – पत्र संख्या————————————————
और पता————————————————————————————————

vuqyXud & 2

(दो प्रतियों प्रस्तुत किया जायेगा)

को अंत होने वाले मास/तिमाही का विक्रय धन

माल का वर्ग/विवरण	संकेत संख्या	धारा–3–कककक या 3–ख के अधीन कर योग्य और धारा 3–घ (1) के अधीन विज्ञापित माल का कुल क्रय–धन	कर–मुक्त क्रय–धन	धारा/नियम जिसके अधीन कर–मुक्त है	कर योग्य क्रय–धन	दर	देय कर
1	2	3	4	5	6	7	8

हस्ताक्षर——————————————————————————

प्रास्थिति——————————————————————————

टिप्पणीः– स्तम्भ 2 की नियम 41 (1) में निर्दिष्ट व्यापारियों से भिन्न व्यापारियों द्वारा भरें जाने की आवश्यकता नही हैं।

T.T 115-A

उत्तरांचल रजिस्ट्रेशन प्रमाण–पत्र संख्या————————————

व्यापारी का नाम——————————————————————

पता——————————————————————————————

vu|yXud & 1

(दो प्रतियों प्रस्तुत किया जायेगा)

—————————को अंत होने वाले मास/तिमाही का विक्रय धन

माल का वर्ग विवरण	संकेत संख्या	कुल विक्रय धन	उत्तरांचल बाह्य परिषण बिक्री	अन्तर्राज्यीय बिक्री	कर–मुक्त बिक्री	धारा/नियम जिसके अधीन कर–मुक्त हो	स्तम्भ 4 से 6 तक का योग	कर योग्य विक्रय–धन (स्तम्भ 3 से स्तम्भ 8 को घटाकर)	दर	देय कर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

टिप्पणीः– स्तम्भ 2 को नियम 41 (1) में निर्दिष्ट व्यापारियों से भिन्न व्यापारियों द्वारा भरे जाने की आवश्यकता नही है।